571

MASA-06

December - Examination 2016

M. A. (Final) Sanskrit Examination

नाटक तथा नाटक शास्त्र

Paper - MASA-06

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : यह प्रश्न–पत्र तीन खण्डों – 'अ', 'ब' और 'स' में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(खण्ड – अ) **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरात्मक प्रश्न) (अनिवार्य)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तर एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का है।

1) (i) राजा दशरथ की पुत्री व जामाता का नाम लिखिये?

(ii) उत्तर राम चरितम् के तृतीय अंक में प्रवेश करनेवाली दो नदियों के नाम लिखिये।

(iii) दशरूपक में वर्णित पाँच संधियाँ कौन सी हैं?

(iv) 'अपवारितम्' को दशरूपकम् के अनुसार स्पष्ट करें।

(v) महाकविहर्षदेव विरचित रूपकों के नाम बताइये।

(vi) राजा उदयन के यहाँ रत्नावली किस छद्म नाम से रहती थी?

(vii) भरतमुनि ने मूल चार रसों से अन्य चार रसों की उत्पत्ति मानी है 'चत्वारो रसाः' ये मूल चार रस कौन से हैं?

(viii) नाट्यशास्त्रानुसार 'रसं वीरमपि प्राह ब्रह्मा त्रियिधमेव हि' त्रिविध वीर रस का उल्लेख करें।

(खण्ड – ब) **$4 \times 8 = 32$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) निम्नलिखित में से किसी एक श्लोक की सप्रसंङ्ग हिन्दी भाषा में व्याख्या कजिये –

समयः स वर्तत इवैष यत्र मां,
समनन्दयत् सुमुखि! गौतमार्पितः।
अयमागृहीतकमनीयकङ्कण–
स्तव मूर्तिमानिव महोत्सवः करः।।

अथवा

त्रातुं लोकनित परिणतः कायवानस्त्रवेदः,
क्षात्रो धर्मः श्रित इव तनुं ब्रह्मकोशाय गुप्त्यै।
सामर्थ्यानामिव समुदयः संचयो वा गुणाना–
माविर्भूय स्थित इव जगत्पुण्यनिर्माणराशिः।।

3) 'उत्तररामचरितम् में भवभूतिने प्रकृति का मानवीकरण अधिक किया हैं' इस कथन से यक्तियुक्तता प्रतिपादित कीजिये।

4) निम्नलिखित में से किसी एक कारिकांश की व्याख्या करें।

प्रख्यातोत्पाद्यमिश्रत्वभेदात्त्रेधापि तत्त्रिधा
प्रख्यातमितिहासोरुत्पाद्यं कविकल्पितम्।।
मिश्रं च सङ्करात्ताभ्यां दिव्यमर्त्यादिभेदतः।।

अथवा

विरूद्धैरविरुद्धैर्वा भावैर्विच्छिद्यते न चः।
आत्मभावं नयत्यन्यान् स स्थायी लवणाकरः।।

5) 'भेदैश्चतुर्धा ललित शान्तोदात्तो द्धतैरयम्'
कारिकांश का आशय उदाहरण सहित स्पष्ट करें।

6) निम्नलिखित श्लोक की ससन्दर्भ व्याख्या करें

राज्यं निर्जितशत्रु योग्यसचिवे न्यस्तःसमस्तौभरः
सम्यक् पालनलालिताः प्रशमिताशेषोपसर्गाः प्रजाः।
प्रद्योतस्य सुताः वसन्तसमयस्त्वं चेति नाम्नाधृतिम्
कामः काममुपैत्वयं मम पुनर्मन्ये महानुत्सवः।।

7) 'रत्नावली नाटिका का प्रधान रस श्रृंगार है' क्या आप इस कथन से सहमत हैं? अपने मत के समर्थन में उद्धरण देते हुए सिद्ध कीजिये।

8) 'शमस्स्थायिभावात्मको मोक्षप्रवर्तकः' आचार्य भरत की शान्तरस विषयक अवधारणा स्पष्ट करें।

9) ''कारुण्यं भवभुति रेव तनुते'' पंक्ति की व्याख्या कीजिए?

(खण्ड – स) $2 \times 16 = 32$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर दीजिये। अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित करें। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) 'उत्तररामचरिते तु भवभूतिर्विशष्यते' सोदाहरण कथन की समीक्षा कीजिये।

11) हर्षदेव की शैली की समीक्षा करते हुए रतावली को नाटिका के वैशिष्ट्य को प्रतिपादित कीजिये।

12) रस की निष्पत्ति के सम्बन्ध में आचार्य धनिक की मान्यता को दशरूपकानुसार स्पष्ट करें।

13) रूपक के तीन भेदकों वस्तु, नेता तथा रस में से 'वस्तु' नामक भेदक की विस्तृत व्याख्या करें (सम्बद्ध संस्कृत उद्धरण देते हुए)।